

[This question paper contains 3 printed pages.]

2362

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक _____

M.A. History/IV Semester

A

Course – HSM – 218

History of Ancient Indian Art and Architecture

(Admissions of 2009 and onwards)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

*Note :- Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.*

*टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए;
लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any four questions.

All questions carry equal marks.

कोई चार प्रश्न कीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Interpret the pre-historic rock paintings of India as a source of the period's history.

तत्कालीन इतिहास के एक स्रोत के रूप में भारत के प्रागैतिहासिक शैलचित्रों की व्याख्या कीजिए।

2. How does the study of Harappan Seals enhance our understanding of Harappan life and society?

हड़प्पाई मोहरों का अध्ययन हड़प्पाई जीवन और समाज के हमारे बोध में किस प्रकार संवर्धन करता है।

3. Discuss the development of cultic imagery in early Indian art (c. 300 BCE – 200 CE).

प्रारंभिक भारतीय कला (300 वर्ष ईसापूर्व - 200 ईस्वी) में उपासना संबंधी बिंबावली के विकास का विवेचन कीजिए।

4. Critically analyse the thematic content and manner of representation noticed in the Buddhist visual narratives from Bharhut.

भरहुत से बौद्ध दृश्य-आख्यानों में देखे गए विद्वेषगत अंतर्वस्तु और निरूपण की रीति का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. Comment upon the architectural features of the rock-cut 'rathas' at Mamallapuram and situate these in the larger context of the history of Southern Indian temple architecture.

मामल्लपुरम के शैलकृत 'रथों' के वास्तु-अभिलक्षणों पर टिप्पणी कीजिए और दक्षिण भारतीय मंदिर स्थापत्य के इतिहास के बृहतर संदर्भ में इनकी अवस्थिति निर्धारित कीजिए।

6. Discuss the significance of the 'ashta-mahapratiharyas' (eight great events or miracles) as portrayed in the pre-Pala and Pala Buddhist art of eastern India.

पूर्वी भारत के पाल-पूर्व और पाल बौद्ध कला में यथा चित्रित 'अष्ट महाप्रतिहार्य' के महत्व का विवेचन कीजिए।

7. Attempt a critical interpretation of the configuration of imagery in the sanctum and on the walls of the Lakshmana temple at Khajuraho.

खजुराहो के लक्ष्मण मंदिर के गर्भगृह और दीवारों पर संविन्यास की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

8. Write an essay on the representation of 'nayanmars' (saint-poets) in the metal images of early medieval South India.

प्रारंभिक मध्यकालीन दक्षिण भारत में धातु प्रतिमाओं में नयनमारों (संत कवियों) के निरूपण पर एक निबंध लिखिए।